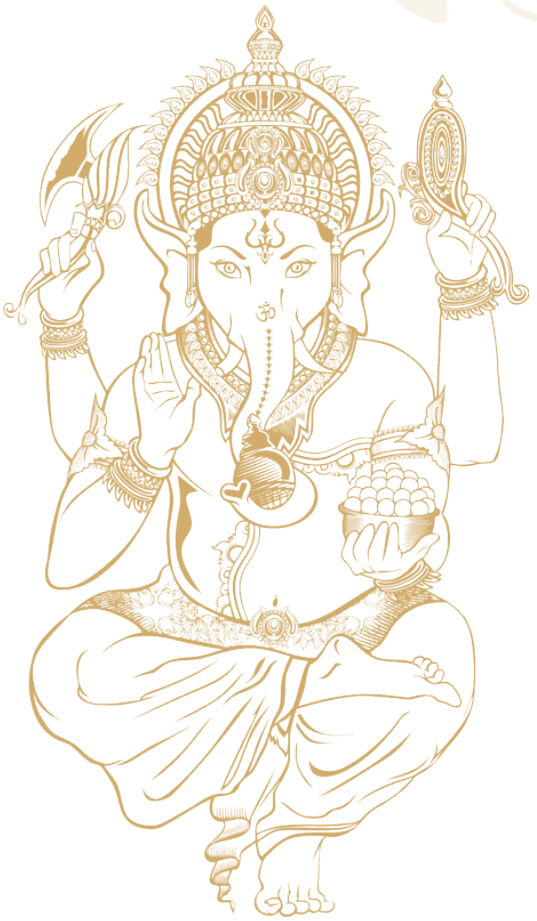

Jay

Kritika

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121061602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/06/1999	जन्म तिथि	17/01/2005
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 09:10:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 08:41:47	जन्म समय(घटी)	23:21:57 घटी
India	देश	Pakistan
Indore	स्थान	Shikarpur
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	27:57:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	68:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	75:00:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:17	सूर्योदय	07:17:58
19:07:48	सूर्यास्त	17:53:29
23:50:43	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 0मा 4दि	05:01:20	कर्क	लग्न	मिथु	16:20:15	केतु 3वर्ष 11मा 22दि
राहु	18:18:10	वृष	सूर्य	मक	03:32:08	शुक्र
07/06/2020	01:05:04	मक	चंद्र	मेष	05:45:18	09/01/2009
07/06/2038	00:36:38	तुला व	मंगल	वृश्चि	21:50:26	09/01/2029
राहु 18/02/2023	28:23:09	वृष	बुध	धनु	16:28:36	शुक्र 11/05/2012
गुरु 13/07/2025	01:34:51	मेष	गुरु	कन्या	24:33:15	सूर्य 11/05/2013
शनि 19/05/2028	03:24:18	कर्क	शुक्र	धनु	15:48:46	चन्द्र 10/01/2015
बुध 07/12/2030	17:27:13	मेष	शनि व	मिथु	29:39:49	मंगल 11/03/2016
केतु 25/12/2031	20:53:08	कर्क व	राहु व	मेष	03:38:36	राहु 12/03/2019
शुक्र 25/12/2034	20:53:08	मक व	केतु व	तुला	03:38:36	गुरु 10/11/2021
सूर्य 19/11/2035	22:53:16	मक व	हर्ष	कुंभ	10:42:53	शनि 09/01/2025
चन्द्र 20/05/2037	10:19:46	मक व	नेप	मक	20:29:53	बुध 10/11/2027
मंगल 07/06/2038	15:12:01	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	29:22:07	केतु 09/01/2029

लग्न-चलित

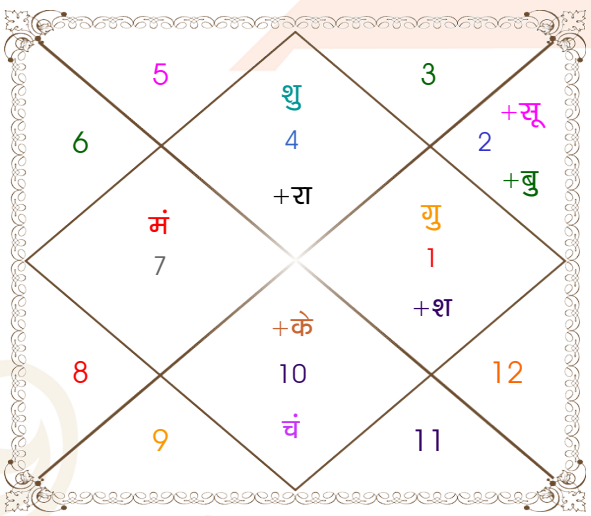

लग्न-चलित

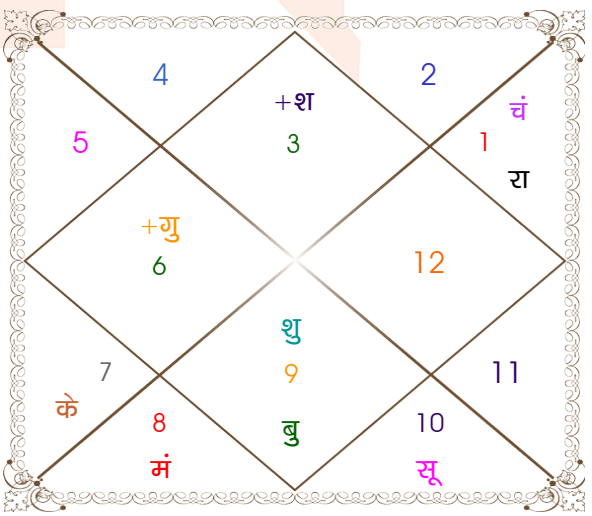

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Jay का वर्ग मूषक है तथा Kritika का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jay और Kritika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jay मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Kritika मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Kritika कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jay तथा Kritika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।